

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक ०९ अप्रैल, 2008

विषय :- चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिए मत्स्य विभाग के जलाशयों का विकास योजना हेतु धनराशि निर्गत किये जाने हेतु प्रस्ताव का प्रेषण।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, मत्स्य के पत्र संख्या-656/वार्षिक योजना(जि०यो०) /2008-09 दिनांक 22 अप्रैल, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में मत्स्य विभाग के जलाशयों का विकास योजना हेतु जिला सैक्टर चालू योजनान्तर्गत रुपया 10.00 लाख (रुपया दस लाख मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर निम्न विवरणानुसार प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

आयोजनागत

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	जनपद	गोष्ठी	मत्स्य बीज संचय	प्रचार प्रसार	यातायात/ पी०ओ०एल०	कुल
1.	देहरादून	0.21	0.05	0.19	0.15	0.60
2.	हरिद्वार	0.28	0.08	0.25	0.15	0.76
3.	टिहरी	0.28	0.09	0.19	0.15	0.71
4.	उत्तरकाशी	0.28	0.10	0.25	0.15	0.78
5.	पौड़ी	0.35	0.13	0.32	0.15	0.95
6.	चमोली	0.28	0.05	0.25	0.15	0.73
7.	रुद्रप्रयाग	0.21	0.04	0.19	0.15	0.59
8.	अल्मोड़ा	0.28	0.09	0.25	0.15	0.77
9.	चम्पावत	0.28	0.08	0.25	0.15	0.76
10.	पिथौरागढ़	0.35	0.14	0.25	0.15	0.89
11.	बागेश्वर	0.28	0.08	0.25	0.15	0.76
12.	नैनीताल	0.28	0.22	0.32	0.15	0.97
13.	उधमसिंहनगर	0.28	0.05	0.25	0.15	0.73
योग :-		3.64	1.20	3.21	1.95	10.00

(रुपया दस लाख मात्र)

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय समय पर जारी किये गये मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाये तथा व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित परिव्यय की सीमा अथवा जारी स्वीकृति जो कम हो, तक किया जाये। निर्गत स्वीकृति को उक्त व्यवस्थानुसार तत्काल सहायक निदेशक, मत्स्य के निर्वतन पर व्यय हेतु प्रादिष्ट कर दिया जाय।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित वाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, कय सम्बन्धी शासनादेशों का पालन कर किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।

2— उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2405-मछली पालन पर पूँजीगत परिव्यय-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-91-जिला योजना-9102-जलाशयों का विकास-42-अन्य व्यय के सुसंगत मानक मदों के अर्न्तगत वहन किया जायेगा।

3— यह आदेश प्रमुख सचिव, वित्त के पत्रांक-267/XXVII(1) दिनांक 27 मार्च, 2008 एवं मुख्य सचिव के पत्र दिनांक 17 अप्रैल, 2008 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(अमरेन्द्र सिन्हा)
सचिव।

संख्या-232(1)/XV-2/2007-तददिनांकित 5/5/08

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त को प्रमुख सचिव एवं आयुक्त महोदयों के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाँयू मण्डल, नैनीताल।
5. निदेशक, मत्स्य विभाग, उत्तराखण्ड।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त सहायक निदेशक, मत्स्य, उत्तराखण्ड।
8. बजट, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय, देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-4।
11. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा सी
(जी0बी0 ओली)
संयुक्त सचिव।